SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

समकालीन भारत - 2

अध्याय - 2

वन एवं वन्य जीव संसाधन

भाग - 5

पंकज वैष्णव

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक विज्ञान

समकालीन

भारत – 2

कक्षा 10 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक

विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
1.	संसाधन एवं विकास	1
2.	वन एवं वन्य जीव संसाधन	13
3.	जल संसाधन	19
4.	कृषि	30
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	42
6.	विनिर्माण उद्योग	58
7.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	72
	परिशिष्ट–क	86
	परिशिष्ट–ख	87
	शब्दावली	88

© NCERT not to be republished

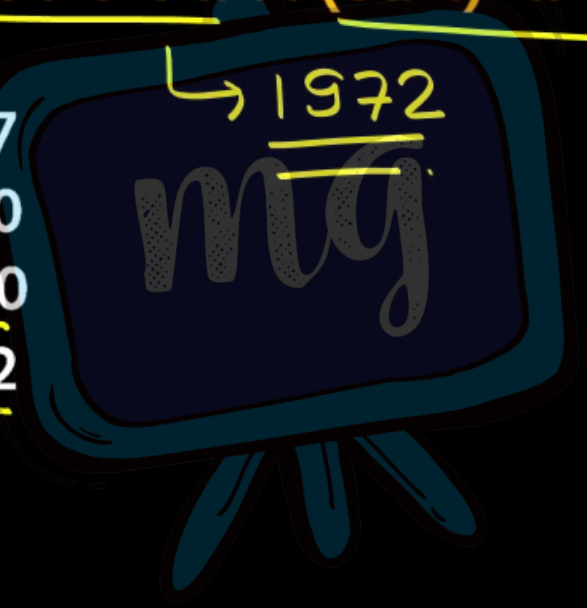
SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. भारतीय वन्यजीवन (रक्षण) अधिनियम कब लागू किया गया था ?

(a) 1947
(b) 1950
(c) 1970
(d) 1972



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. निम्न चित्र में किस में जैव-विविधता अधिक है ?

1



2



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. वनों और वन्य जीवन का संरक्षण करना आवश्यक क्यों है?

(a) संरक्षण से पारिस्थितिकी विविधता बनी रहती है

(b) हमारे जीवन-साध्य संसाधन (जल, वायु और मृदा) बने रहते हैं।

(c) a और b दोनों

(d) न तो a और न ही b

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. राष्ट्रीय वन्यजीवन सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किन बातो पर प्रबल जोर दिया गया ?

(a) शिकार प्रतिबंधन
(b) जंगली जीवों के व्यापार पर रोक
(c) बची हुई संकटग्रस्त जातियों के बचाव
(d) उपयुक्त सभी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. भारत में विश्व की सारी जैव-उपजातियों की लगभग कितनी प्रतिशत जनसँख्या पाई जाती है ?

(a) 5%
(b) 8%
(c) 20%
(d) 30%

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. वन्य-जीवन संरक्षण हेतु सरकारों द्वारा कौनसे क्षेत्र स्थापित किये गए है ?

(a) राष्ट्रीय उद्यान
(b) वन्य जीव पशुविहार (वन्य जीव अभयारण्य)
(c) बाघ रिजर्व
(d) उपर्युक्त सभी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन





SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. 1991 में पौधों की कितनी जातियों को संरक्षित जातियों की सूची में रखा गया ?

1972.

(a) 3
(b) 6
(c) 9
(d) 12



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. निम्न चित्रों में बाघ कौनसा है ?

1- बाघ

2- शेर

3- चीता







SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन



Q. प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत कब हुई ?

(a) 1970
(b) 1973
(c) 1980
(d) 1983

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन



Q. जिम कॉर्बेट बाघ रिज़र्व किस राज्य में स्थित है ?

(a) उत्तरप्रदेश
(b) मध्यप्रदेश
(c) उत्तराखंड
(d) बिहार

50 से ज्यादा

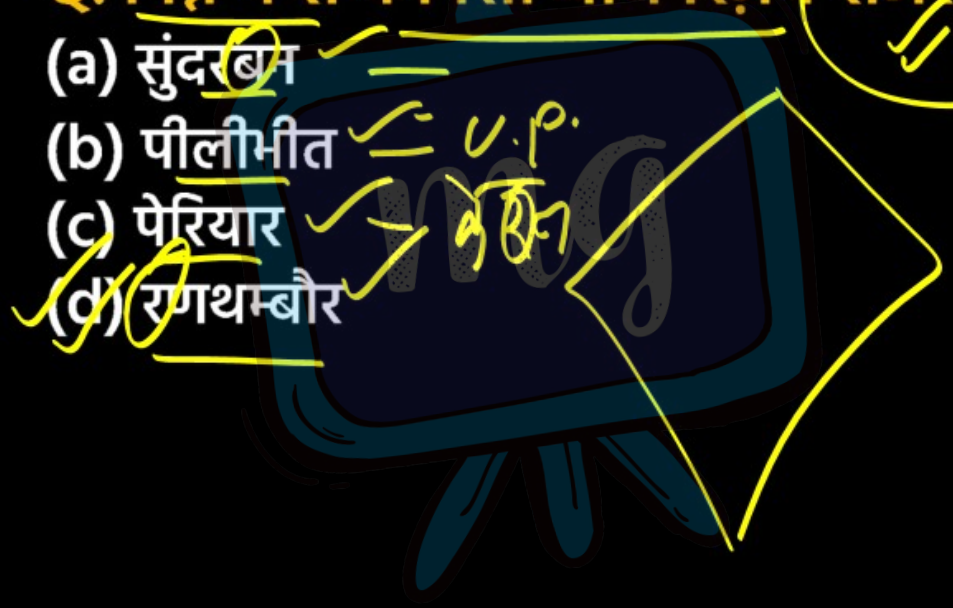
SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. निम्न में से कौनसा बाघ रिज़र्व राजस्थान में है ?

(a) सुंदरबन
(b) पीलीभीत
(c) पेरियार
(d) रणथम्बौर



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन





SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. 1973 में बाघों की संख्या घटते-घटते लगभग कितनी रह गयी थी ??

(a) 50000
(b) 15000
(c) 1800
(d) 500



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

Q. बाघों की घटती संख्या के मुख्य कारण निम्न में से क्या-क्या है ?

(a) बाघों को अवैध शिकार/व्यापार

(b) आवासीय स्थलों का सिकुड़ना

(c) भोजन के लिए आवश्यक जंगली जातियों की संख्या कम होना

(d) उपयुक्त सभी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

1. बहुवैकल्पिक प्रश्न

(1) इनमें से कौन-सा संरक्षण तरीका समुदायों की सीधी भागीदारी नहीं करता?

(क) संयुक्त वन प्रबंधन

(ग) बीज बचाओ आंदोलन

(ख) चिपको आंदोलन

(घ) वन्य जीव पशुविहार (Sanctuary) का परिसीमन

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

2. निम्नलिखित का मेल करें।

[1 - B
2 - C
3 - A]

1. आरक्षित वन:- (A) सरकार, व्यक्तियों के निजी और समुदायों के अधीन अन्य वन और बंजर भूमि

2. रक्षित वन:- (B) वन और वन्य जीव संसाधन संरक्षण की दृष्टि से सर्वाधिक मूल्यवान वन

3. अवर्गीकृत वन:- (C) वन भूमि जो और अधिक क्षरण से बचाई जाती है

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए।

5

(i) जैव विविधता क्या है? यह मानव जीवन के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण है ?

किसी भी क्षेत्र में पाए जाने वाले जंतुओं और पादपों की विविधता को उस क्षेत्र की जैव विविधता कहते हैं।

जैव विविधता किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक होती है। स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के अभाव में मानव जीवन खतरे में पड़ सकता है। इसलिए जैव विविधता मानव जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

(ii) विस्तारपूर्वक बताएँ कि मानव क्रियाएँ किस प्रकार प्राकृतिक वनस्पतिजात और प्राणिजात के ह्रास के कारक हैं?

(क) मनुष्य ने अपने आवास, कृषि के विस्तार तथा उद्योगों की स्थापना के लिए वनों का विनाश किया है। फलस्वरूप कई वन्य प्राणियों के आश्रय स्थल (आवास) नष्ट हो गये हैं और वे विलुप्त हो गए हैं या विलुप्त होते जा रहे हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

(ख) मनुष्य द्वारा कृषि के विशिष्टीकरण का भी पादपों तथा वन्य प्राणियों पर बुरा प्रभाव पड़ा है। मनुष्य अपने लाभ को ध्यान में रखकर एक विशेष प्रकार की फसल अथवा पेड़-पौधे उगाने पर बल देने लगा है। इससे अन्य पेड़-पौधों की अवहेलना हुई है जिससे उनकी प्रजातियाँ समाप्त होती जा रही हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में दीजिए ।

(i) भारत में विभिन्न समुदायों ने किस प्रकार वनों और वन्य जीव संरक्षण और रक्षण में योगदान किया है? विस्तारपूर्वक विवेचना करें।

भारत के कुछ स्थानीय समुदायों का वनों से गहरा नाता है। ये उनका आवास भी हैं और आजीविका का साधन भी हैं।
अत: वे अपने आवास तथा आजीविका की रक्षा के लिए वनों के लिए कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। इस संबंध में कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

(क) राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व में गाँव के लोगों ने खनन के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

(ख) कई प्रदेशों में ग्रामीण समुदाय स्वयं वनों के संरक्षण में जुटे हुए हैं। इस कार्य में उन्होंने सरकार का सहयोग लेने से भी इंकार कर दिया है। उदाहरण के लिए राजस्थान के अलवर जिले के पाँच गाँवों के ग्रामीणों ने 1200 हेक्टेयर वन क्षेत्र को 'भैरोदेव डाकव सौंचरी' (घोषित किया हुआ है। संरक्षण के लिए उन्होंने अपने-अपने नियम बनाये हुए हैं। इनके अनुसार शिकार करने पर तथा वन जीवन को किसी प्रकार की अन्य क्षति पहुँचाने पर रोक है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

वन एवं वन्य जीव संसाधन

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ग) कई समुदाय कुछ विशेष वृक्षों अथवा वनों को पवित्र मानकर उनकी पूजा करते हैं। इन समुदायों का भी वनों के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

(ii) वन और वन्य जीव संरक्षण में सहयोगी रीति-रिवाजों पर एक निबन्ध लिखिए।

भारत में वन और वन्य जीव संरक्षण में रीति रिवाजों का बड़ा सहयोग रहा है।
कई धर्मों और आदिवासी समुदायों में प्रकृति की पूजा की पुरानी परंपरा रही है। हमारे यहाँ कई रस्मों में पीपल और आम के पेड़ की पूजा की जाती है। इससे पता चलता है कि लोग सदा से वृक्षों को पवित्र मानते रहे हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

① - राजस्थान के विश्नोई समाज
(मोर, चिंकारा, काला हिरण, नीलगाय)
② पीपल और आम की पूजा
③ बिहार → शादी के दौरान रस्मों की पूजा
④ पवित्र पेड़ों के झुरमुट

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

प्राचीन काल से ही लोग हमारे जीवन के लिये पेड़ों के महत्व को समझते थे।

आदिवासी लोग तो जंगलों में पवित्र पेड़ों के झुरमुट को मानव गतिविधियों से अनछुआ रखते हैं। गाँवों में अभी भी त्योहारों के अवसर पर पशुओं की पूजा की जाती है। ऐसी परंपरा पशुओं के महत्व को मानने और समझने को दिखाती है। राजस्थान का बिश्नोई समाज काले हिरण के संरक्षण के लिये किसी भी हद तक जा सकता है। शायद यही कारण है कि आज भी दूर दराज के गाँवों के स्थानीय लोगों द्वारा (खासकर जो वनों के निकट हैं) वनों को भी संरक्षण मिलता है।

इससे वन विभाग का काम भी आसान हो जाता है।